सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 255 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 24 अक्टूबर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मेरे पास सिखाने के लिए बस तीन बातें हैं। सादगी, धैर्य दया। ये तीनों आपका सबसे बड़ा खजाना हैं।

-लाओत्से

महिला विश्वकप: भारत सेमीफाइनल... 7 | राजनीतिक परिवारों में अब महिलाएं... 3 | अपराधियों को भाजपा दे रही है... 2

विश्वगुरु की उड़ान अब केवल देसी रैलियों तक सीमित!

पीएम मोदी ने आसियान से बनाई दूरी, बिहार में करेंगे रैली

» कांग्रेस का आरोप- ट्रंप का सामना करने से बच रहे हैं पीएम मोदी

» विदेश मंत्री एस जयशंकर जाएंगे आसियान

» गाजा शांति शिखर सम्मलेन के बाद आसियान समिट को भी पीएम मोदी की न

» विपक्ष का दावा कूटनीतिक पलायन से भारत की साख पर आ रही हैं आंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अब यह साफ हो गया है कि पीएम मोदी आसियान शिखर सम्मेलन में नहीं जाएंगे। उनकी जगह आसियान सम्मिट में भारत का प्रतिनिधित्व एस जयशंकर करेंगे। किसी विदेशी मंच को पीएम मोदी की यह दूसरी न है।

इससे पहले उन्होंने गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भी शिरकत करने से मना कर दिया था। उनके मना करने के बाद कांग्रेस ने उनके विश्वगुरू के वक्तव्य की खिल्ली उड़ाते हुए कहा है कि क्या पीएम मोदी अमेरिकन प्रेसीडेंट से सामना होने से डर रहे हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयराम नरेश ने एक्स पर यह सवाल पूछा है।

बिहार में पीएम मोदी

पीएम मोदी भले ही आसियान नहीं जा रहे हो लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उनके प्रचार अभियान की आज से विधिवत शुरूआत हो रही है। वह गृहमंत्री अमित शाह के साथ बिहार दौरे पर है। पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की दो-दो जगहों पर चुनावी रैलियां हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी आज बिहार दौरे पर हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर की धरती से अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करेंगे। वहीं शाह की दो जगहों पर जनसभाएं होंगी। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम हाजीपुर में है।

विदेश मंत्रालय ने साफ किया

20वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन का आयोजन मलेशिया में किया जा रहा है। इससे पूर्व के सम्मिट में पीएम मोदी ने शिरकत की थी। इस बार पीएम मोदी डिजिटल माध्यम से समिट में शामिल होंगे। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर कुआलालंपुर में आसियान समिट में केंद्र की मोदी सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आसियान नेता संयुक्त रूप से आसियान-भारत संबंधों में प्रगति की समीक्षा करेंगे और व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की पहलों पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि आसियान के साथ संबंधों को मजबूत करना हमारी एक्ट ईस्ट नीति और हमारे हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ है।

कांग्रेस ने उड़ाई खिल्ली, कसा तंज- बच के रहना रे बाबा, बच के रहना

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पीएम मोदी के शिखर सम्मेलन में हिस्सा न लेने के फैसले की खिल्ली उड़ाई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि प्रधानमंत्री का यह फैसला उन्हें कई वैश्विक नेताओं से मिलने और खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश करने के मौके से वंचित कर देगा। उन्होंने कहा कि वह पीएम मोदी राष्ट्रपति ट्रंप के सामने खड़े होकर बातचीत करने से बचना चाह रहे हैं। रमेश ने यह भी दावा किया कि इसी कारण प्रधानमंत्री ने कुछ हफ्ते पहले मिस्र में बुलाए गए गाजा शांति शिखर सम्मेलन का निमंत्रण भी ठुकरा दिया था। जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा है कि सोशल मीडिया पर किसी नेता की तारीफ करना अलग बात है और उस नेता के साथ आमने-सामने बैठना अलग बात है। खासकर जब वह कई विवादास्पद बयान दे चुका हो। उन्होंने आगे व्यंग्य में पुराने बॉलीवुड गीत के बोल उद्धृत किए कि बच के रहना रे बाबा, बच के रहना।

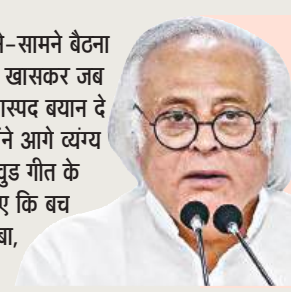

दीपावली का बनाया बहाना

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भी एक्स पर लिखा है कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने मुझे बताया है कि वह वर्चुअल रूप से सम्मिट में भाग लेंगे। क्योंकि इस समय भारत में दीपावली का त्योहार अभी मनाया जा रहा है। मैं उनके इस निर्णय का सम्मान

करता हूं और उन्हें और भारत के सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देता हूं। भारत से संबंधों को मजबूत करने और एक अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध क्षेत्र की दिशा में आसियान-भारत सहयोग को और बढ़ाने के लिए मलेशिया प्रतिबद्ध रहेगा।

अपराधियों को भाजपा दे रही है संरक्षण : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख-यूपी में बढ़ रहा है दलितों पर अत्याचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि प्रदेश में दलितों पर अन्याय और अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस सरकार में सामंती ताकतों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

अपराधियों और सामंतवादियों को भाजपा सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि एक तरफ सत्ता समर्थक पीडीए को तरह-तरह से अपमानित कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार पीडीए की नौकरी, आरक्षण और हक छीन रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि रायबरेली में दलित समाज के नौजवान की पीट-पीट कर हत्या हुई। लखनऊ मे काकोरी में दलित समाज के बुजुर्ग के साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया, ये कुछ घटनाएं है। उत्तर प्रदेश में हर दिन ऐसी न जाने कितनी घटनाएं हो रही है।

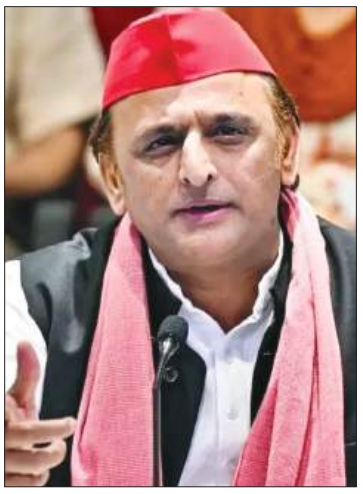

भाजपा राज में दलित होना गुनाह : संजय

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मामले में प्रदेश सरकार को घेरा है। संजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा राज में दलित होना अपराध है। काकोरी में इंसान के साथ जानवर जैसा व्यवहार किया गया। वहीं, संजय सिंह के निर्देश पर आप का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने काकोरी भी पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल, बौद्ध प्रांत अध्यक्ष इमरान लतीफ, अयोध्या प्रांत प्रभारी कैप्टन सरबजीत सिंह, तिरंगा शाखा प्रमुख जनक प्रसाद, जिलाध्यक्ष इरम रिजवी, ज्ञान सिंह कुशवाहा, पीके बाजपेई, रानी कुमारी, युसूफ खान, सैफ खान, हसरत अली, अमित रावत और मनोज मिश्रा शामिल रहे।

सत्ता के दबाव में पुलिस असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई नहीं करती

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश में दलितों और महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं देश में सबसे ज्यादा हो रही हैं। उन्हें अपमानित किया जाता है। सत्ता के दबाव में पुलिस असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई नहीं करती है। भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है।

खौफ में है परिवार, नीच मानसिकता है लोगों के दिमाग में : तनुज पुनिया

» दलित से दुर्व्यवहार पर भड़के कांग्रेस सांसद, पीड़ित परिवार से मुलाकात की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दलित बुजुर्ग के साथ मंदिर परिसर में हुई दुर्व्यवहार की घटना के बाद कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस घटना का आरोपी आरएसएस से जुड़ा है। उससे दबाव में ये घटना कराई गई क्योंकि लोगों में उसका खौफ भी था आरोपी पर क़ानून के हिसाब से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि यहां जो परिवार है उन्होंने स्पष्ट बताया कि किस तरह से वे खौफ में थे। उन्होंने कहा कि आरोपी से जिस प्रकार का व्यवहार कराया है वो दबाव में कराया गया है, क्योंकि वो स्थानीय आरएसएस के पदाधिकारी भी हैं और यहां उनका खौफ भी है। कुछ लोगों ने बताया कि उनका (आरोपी) खौफ पूरे इलाके में है. वे मनमानी करते हैं. लोगों से मारपीट करते हैं, यहां के सार्वजनिक मंदिर पर जब चाहे ताला लगा देते हैं. जो उनके मन में आता है वो करते हैं और उनका कोई कुछ नहीं कर पाता है क्योंकि वो सरकार और सत्ता पक्ष में बैठे लोगों से जुड़े हैं।

तनुज पुनिया ने कहा कि ये साफ है कि वो अपने प्रभाव का प्रयोग करके मनमानी करते हैं और जिस तरह से एक दलित परिवार के साथ ऐसी घटना की गई तो ये उनकी मानसिकता दिखाता है कि किस प्रकार की मानसिकता है. नीच मानसिकता दिमाग में रखते हैं।

सरकार को हस्तक्षेप नहीं करने देंगे

परिवार कह रहा है कि पुलिस ने कार्रवाई की है, एफआईआर भी की है लेकिन बीमारी की वजह से उनको अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा है लेकिन प्राइवेट अस्पताल में भर्ती क्यों कराया गया ये पुलिस से पूछा जाएगा। जिसने ये घटना की है वो किसी भी तरह से न बचे कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो कानून के तहत कार्रवाई हो, इस मामले में सरकार द्वारा हस्तक्षेप नहीं करने देंगे।

युवाओं के सपने साकार करने में जुटी है पंजाब सरकार : मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रूपनगर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं का भविष्य सुनहरा बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है ताकि हमारे युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने में सक्षम बन सकें। मुख्यमंत्री गुरुवार को शहीद सूबेदार मेवा सिंह स्कूल ऑफ एमिनेंस के विद्यार्थियों से मिलने पहुंचे। इस दौरान विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब में शिक्षा क्र ांति के एक नए युग की शुरुआत की है।

उन्होंने कहा कि यह क्रांति विद्यार्थियों को भविष्य में प्रतिस्पर्धी माहौल के लिए तैयार कर रही है और उन्हें जीवन में नई ऊंचाइयां छूने योग्य बना रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि एक ओर जहां युवाओं को रोजगार देने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं, वहीं दूसरी ओर युवाओं की असीम ऊर्जा को सही दिशा में लगाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह हवाई अड्डों पर रन-वे विमान को उड़ान भरने में मदद करते हैं, उसी तरह राज्य सरकार युवाओं को उनके सपने साकार करने में सहायता कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के बच्चों को उनके सपनों को हकीकत में बदलने और जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए राज्य ने वर्ष 2022 में शिक्षा क्रांति की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम अतीत की ओर देखते हैं तो दुख होता है कि किस तरह गलत नीतियों ने गरीब बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया था।

सीएम ने छात्रों से की मुलाकात

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे क्रांतिकारी कदम उठाए हैं जिनकी पूरे देश में सराहना की जा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए जा रहे हैं, जिन पर अब तक 231.74 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन स्कूलों को गरीब बच्चों के उज्जवल भविष्य की दिशा में एक शानदार शुरुआत माना जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इन स्कूलों में विद्यार्थियों को मुफ्त यूनिफॉर्म दी जा रही है और खास तौर पर लड़कियों के लिए मुफ्त बस सेवा की व्यवस्था की गई है ताकि एक भी लड़की शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये स्कूल आधुनिक युग के मंदिर के रूप में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर हजारों विद्यार्थियों के जीवन को रोशन करेंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

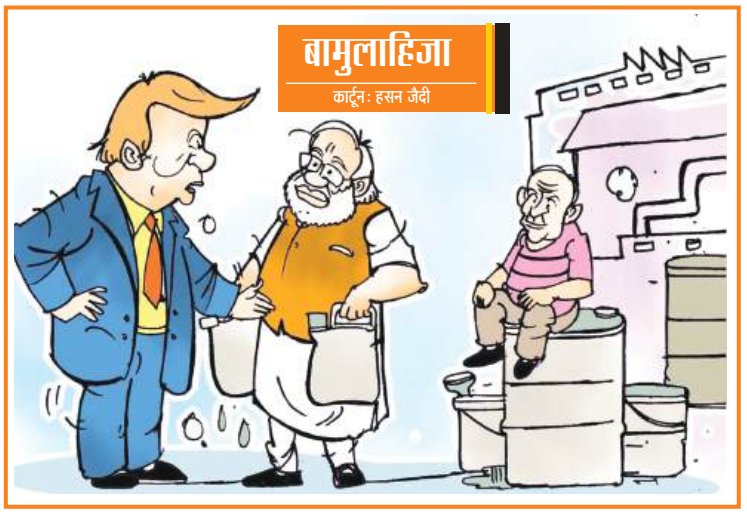

घर से बेदखल कर रही सरकार, सामान बाहर फेंका

कांग्रेस नेता उदित राज का दावा- उनकी पत्नी के नाम पर आवंटित आवास खाली करने का बनाया जा रहा है दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस नेता उदित राज ने एक्स पोस्ट के जरिए बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय के संपदा निदेशालय के अधिकारी उनके आवास पर आए और उनके घर का सामान बाहर फेंका गया।

अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उदित राज ने जानकारी देते हुए लिखा है, मेरा ष्ट1/38, पंडारा पार्क, नई दिल्ली-3 स्थित घर मेरी पत्नी सीमा राज के नाम पर आवंटित है. अधिकारियों का कहना है कि वे कल सुबह हमें यहां से बेदखल कर देंगे. मेरी पत्नी रिटायर्ड हैं और हमारा यहां ज्यादा समय तक रहने का कोई इरादा नहीं है. इसलिए हम एक निजी आवास की तलाश में हैं। उदित राज ने बताया कि वह आवास पर कुछ समय ज्यादा रुकने को मजबूर थे क्योंकि उनके ससुर लंबी बीमारी से जंग लड़ रहे थे और उनका निधन हो गया। हालांकि उदित राज ने खुद बताया कि वे नवंबर के अंत तक अपने घर में शिफ्ट हो जाएंगे। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि इस आवास का किराया वैसे भी बहुत ज्यादा है और वह यहां मजबूरी में ही रह रहे हैं पोस्ट में उदित राज ने लिखा, आज आए अधिकारियों ने हमें मंत्रालय में निदेशक/संयुक्त सचिव से बात करने की सलाह दी और हमने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ. मेरी पत्नी ने मंत्रालय को हमारे प्रवास को कुछ समय के लिए बढ़ाने के लिए पत्र लिखा है। वह पटियाला हाउस कोर्ट के जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में गई हैं, जिन्होंने उनकी अपील स्वीकार कर ली है और निदेशालय को नोटिस जारी कर दिया है और मामला 28.10.25 को सूचीबद्ध है। ऐसा लगता है कि मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद, संपदा निदेशालय जानबूझकर छुट्टियों के दौरान जबरन बेदखली का सहारा ले रहा है, ताकि हमें कोई राहत न मिल सके।

महंत राजूदास ने सपा नेता रामअचल राजभर पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर ।अकबरपुर के बनगांव रोड स्थित छित्तूनी गांव में रामलीला का उद्घाटन करने पहुंचे हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत राजू दास ने अकबरपुर के सपा विधायक रामअचल राजभर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के बाद सनातन पर टिप्पणी करना दुर्भाग्य की बात है।

सनातन की परंपरा इतनी विशाल होने के बावजूद हमने किसी का अपमान नहीं किया। ऐसे राक्षस प्रवृत्ति के लोगों को जूता लेकर ठीक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस पर टिप्पणी करने वाला मनुष्य नहीं हो सकता है। रामचरितमानस का एक-एक पात्र अकल्पनीय है। राम को वनवास हुआ तो लक्ष्मण और सीता भी वन चले गए। अभी आपने सोशल मीडिया पर देखा होगा कि एक पत्नी ने अपने पति की हत्या कर नीले ड्रम में भर दिया। एक तरफ वो हैं जो पति को वनवास हुआ तो खुद भी चली गई और दूसरी तरफ ऐसी घटना है। रामायण और रामचरितमानस के अध्ययन से समाज की अनेकों कुरीतियां खत्म हो सकती हैं।

बिहार में अपनी धमक दिखाने के लिए बसपा पूरी तरह से तैयार

» यूपी के करीबी जिलों की सीटों पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में अपनी धमक दिखाने के लिए बसपा पूरी तरह से कमर कस चुकी है। पार्टी पार्टी का खास फोकस यूपी सीमा से सटे जिलों में है। अपना खाता खोलने के लिए बहुजन समाज पार्टी ने अपने पूर्वांचल के तमाम नेताओं को बिहार चुनाव में समर्थन जुटाने की जिम्मेदारी दी है। वहीं बसपा के बिहार के पदाधिकारी भी इन सीटों पर जमीन मजबूत करने में जुटे हैं।

बसपा की कोशिश है कि इन सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले के हालात बनाए जाएं ताकि दलित वोट बैंक के एकजुट होने पर उसके प्रत्याशी की राह आसान हो सके। बता दें कि यूपी की सीमा से गोपालगंज, कैमूर, चंपारण, सिवान और बक्सर के जिले जुड़े हुए हैं। वहीं यूपी में गाजीपुर, बलिया, चंदौली, कुशीनगर, देवरिया और सोनभद्र जिले से बिहार का गहरा सामाजिक ताना-बाना है। यही वजह है कि बिहार के इन जिलों की 15 से अधिक सीटों पर बसपा पूरी ताकत लगा रही है। खासकर दलितों को एकजुट करके कुछ सीटों पर कब्जा करने की रणनीति के तहत पार्टी आगे बढ़ रही है। दरअसल, बिहार में पार्टी को कभी आशातीत सफलता नहीं मिली।

पिछली बार चैनपुर सीट पर जीत दर्ज की थी

पिछली बार चैनपुर सीट पर उसके प्रत्याशी जमा खां ने जीत दर्ज की थी, लेकिन बाद में पाला बदलकर जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए। यूपी सीमा से सटे इन जिलों में पिछले चुनाव में एनडीए को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली थी। इस बार बसपा के मजबूती से चुनाव लड़ने से दलित वोट बैंक महागठबंधन से यदि दूरी बनाता है तो एनडीए को फायदा मिल सकता है। बसपा जिस तरह बिहार में प्रत्याशियों के चयन में यूपी में हिट रहे अपने सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले का इस्तेमाल कर रही है, उससे साफ है कि किसी भी दल के प्रत्याशी के सामने क्लीन स्वीप करने जैसी क्षमता नहीं होगी। यदि बसपा का यह फॉर्मूला बिहार में चला तो चुनाव नतीजे दिलचस्प हो सकते हैं।

सबकी नजर में है आधी आबादी

राजनीतिक परिवारों में अब महिलाएं ही संभाल रहीं बागडोर

» सियासी दल कर रहे योजनाओं की मुनादी

» इसबार कई लड़ रहीं चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। फिलहाल तो बिहार में मुकाबला नीतीश व तेजस्वी के बीच ही होगा पर इन दोनो की जीत में युवाओं व महिलाओं का योगदान जरूरी होगा। देखने में आ रहा है कि बिहार की राजनीति में अब महिलाओं की सक्रिय भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। सियासी दलों को भी इनकी ताकत का अहसास है इसलिए उनको अपने पाले में करने के लिए नई-नई योजनाएं लाने का वादा कर रहे है। राज्य में आधी आबादी यानी महिलाएं न केवल समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, बल्कि पारिवारिक राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पद्मश्री किसान चाची राजकुमारी देवी ने अपने कठिन परिश्रम और सामाजिक योगदान से अलग पहचान बनाई है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज श्रेयसी सिंह ने 2020 में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर उसी वर्ष जमुई विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनकर राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखा। श्रेयसी सिंह, जो बिहार के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह की बेटी हैं, परिवार की सियासी पारी को आगे बढ़ा रही हैं। उनकी मां पुतुल देवी भी पहले सांसद रह चुकी हैं। यह सिर्फ एक उदाहरण है, लेकिन अगर हम देखें तो बिहार में कई महिलाएं अपने परिवार की राजनीतिक विरासत को संभाल रही हैं। वे उसी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं, जहां उनके माता-पिता, सास-ससुर, पति, समधी या अन्य रिश्तेदारों ने पहले प्रतिनिधित्व किया था। इस तरह महिलाओं ने पारिवारिक राजनीति को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। बिहार में महिलाएं पारिवारिक राजनीति में सक्रिय हैं। 2025 विधानसभा चुनाव में दर्जनभर महिलाएं राजनीतिक परिवारों से हैं और विरासत को आगे बढ़ाते हुए चुनावी मैदान में उतर रही हैं।

गायघाट विधानसभा क्षेत्र से कोमल सिंह लड़ रही चुनाव

मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट विधानसभा क्षेत्र में 2010 में वीणा देवी विधायक रहीं। अब उनकी पुत्री कोमल सिंह जदयू के टिकट पर उसी सीट से चुनाव लड़ रही हैं। वीणा देवी वर्तमान में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद हैं और वैशाली लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके पिता दिनेश प्रसाद सिंह जदयू के विधान पार्षद हैं।

लालगंज से चुनावी मैदान में पूर्व विधायक की पुत्री शिवानी शुक्ला

लालगंज विधानसभा क्षेत्र से शिवानी शुक्ला राजद के टिकट पर अपने माता-पिता पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला और अन्नु शुक्ला की सियासी पारी को आगे बढ़ाने के लिए मैदान में हैं। परिहार विधानसभा क्षेत्र से राजद के टिकट पर चुनाव लड़ रही रिमता पूर्वे गुप्ता अपने ससुर पूर्व मंत्री रामचंद्र पूर्वे की विरासत को संभाल रही हैं। उनके ससुर लंबे समय तक लालू-राबड़ी सरकार में मंत्री रह चुके हैं और वर्तमान में बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं।

औराई सीट से बीजेपी के लिए चुनाव लड़ रही रमा निषाद

मुजफ्फरपुर लोकसभा क्षेत्र से पूर्व केंद्रीय मंत्री कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद की बहू रमा निषाद औराई सीट से बीजेपी की उम्मीदवार हैं। उनके पति अजय निषाद भी मुजफ्फरपुर से दो बार भाजपा सांसद रह चुके हैं। इसी तरह पूर्व विधायक गुलाब यादव की पुत्री बिंदु गुलाब यादव राजद के टिकट पर बाबूबरही विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट है कि बिहार में महिलाओं ने न केवल पारिवारिक राजनीति की विरासत को संभाला है, बल्कि अपने दम पर नए नेतृत्व की पहचान भी बनाई है। परिवार की सियासी पारी में महिलाओं की यह भागीदारी न केवल उन्हें राजनीतिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि राज्य की राजनीति में महिलाओं की भूमिका को भी मजबूत कर रही है। बिहार में राजनीतिक परिवारों में यह नई पारी महिलाओं की सक्रियता और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में कुल 26 महिलाएं बनी थी विधायक

2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में कुल 26 महिला विधायक चुनी गई थीं, जिनमें से 16 महिलाएं राजनीतिक परिवारों से ताल्लुक रखती थीं। 2025 के विधानसभा चुनाव में भी दर्जनभर महिलाएं अपने परिवार की सियासी पारी को आगे बढ़ाने के लिए मैदान में हैं। प्राणपुर विधानसभा की वर्तमान विधायक निशा सिंह के पति बिनोद सिंह बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं। फुलपरास की विधायक शीला कुमारी उर्फ शीला मंडल के ससुर धनिक लाल मंडल राज्यपाल और मंत्री रह चुके हैं, और वे अभी निवर्तमान नीतीश सरकार में मंत्री भी हैं। हिसुआ की विधायक नीतू कुमारी के ससुर आदित्य सिंह पूर्व मंत्री और कई बार विधायक रह चुके हैं। अब उनकी बहु नीतू कुमारी परिवार की सियासी पारी को आगे बढ़ा रही हैं। इसी तरह परिहार की विधायक गायत्री देवी और संदेश की विधायक किरण देवी भी पारिवारिक विरासत को संभाल रही हैं। नोखा की विधायक अनीता देवी के पति और ससुर दोनों बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं। ये सभी महिलाएं इस बार भी चुनावी मैदान में हैं।

सपा के लिए आसान नहीं डगर

बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन की तैयारी

» भाजपा से होगी सीधी टक्कर

» रालोद भी है कमल के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

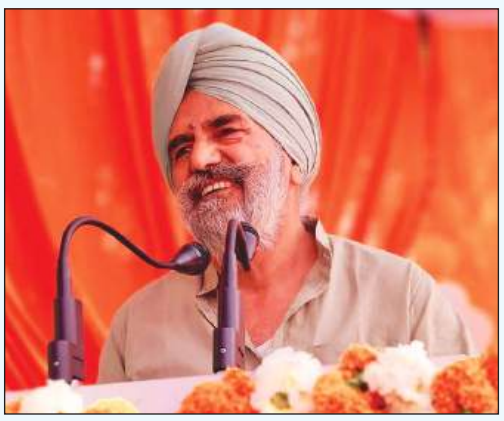

मुरादाबाद। बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन में सपा के लिए इस बार भी डगर कठिन होगी। एक साल पहले प्रत्याशी घोषित कर सपा ने दांव खेला है, भाजपा से सीधी टक्कर होगी। संभावना है कि भाजपा से एक बार फिर मौजूदा एमएलसी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों मैदान में उतर सकते हैं। बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन में सपा ने भले ही सबसे पहले मैदान में उतरकर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी हो लेकिन हालात यह संकेत दे रहे हैं कि इस बार भी सपा के लिए मुकाबला आसान नहीं होगा।

सपा ने बिजनौर के रहने वाले हाजी दानिश अख्तर को प्रत्याशी घोषित किया है जबकि भाजपा की ओर से अभी आधिकारिक नाम नहीं आया लेकिन संभावना यही हैं कि मौजूदा एमएलसी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों एक बार फिर मैदान में उतर सकते हैं। 2020 में हुए शिक्षक निर्वाचन में भाजपा समर्थित डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने सपा प्रत्याशी संजय मिश्रा को बड़े अंतर से हराया था। कुल 36 हजार मतदाताओं में से ढिल्लों को 12,827 वोट प्राप्त हुए थे जबकि सपा को 4,864 मत पर संतोष करना पड़ा था। दिलचस्प बात यह है कि इस बार सपा ने जिस हाजी दानिश को टिकट दिया है उन्होंने पिछला चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था और महज 723 वोट ही प्राप्त कर सके थे। ऐसे में हाजी दानिश सपा के पीडीए फार्मूले के दम पर कितना सफल हो पाएंगे यह एक बड़ा सवाल है। भाजपा ने अभी औपचारिक घोषणा नहीं की है लेकिन संगठन के भीतर यह माना जा रहा है कि मौजूदा एमएलसी डॉ. ढिल्लो को ही दोबारा टिकट मिल सकता है। वह शिक्षक वर्ग में लंबे समय से सक्रिय भी हैं और बरेली-मुरादाबाद सीट पर सिख और जाट सिख समुदाय में काफी अच्छी पकड़ भी रखते हैं।

डॉ. ढिल्लो का पलड़ा भारी

इसके अलावा वह वित्तविहीन शिक्षकों के भी बड़े नेता माने जाते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के समधी होने के नाते उनका पलड़ा और भी मजबूत नजर आता है। पूर्व में राष्ट्रीय लोकदल ने उन्हें एमएलसी बनाया था। इस बार रालोद भी भाजपा के साथ गठबंधन में है। ऐसे में माना जा रहा है कि डॉ. ढिल्लो को रालोद का भी खुला समर्थन मिल सकता है। इससे भाजपा खेमे को लाभ मिल सकता है। सपा ने एक साल पहले ही प्रत्याशी का नाम घोषित कर राजनीतिक माहौल जरूर तैयार किया है लेकिन चुनाव नवंबर-2026 में होने हैं और डॉ. ढिल्लो का कार्यकाल दिसंबर-2026 तक है। वहीं दूसरी ओर सपा और कांग्रेस इंडिया गठबंधन में जरूर शामिल है लेकिन दोनों ही पार्टियों ने एमएलसी चुनाव अकेले लड़ने का ही एलान किया है। सपा के लिए शिक्षक और स्नातक चुनाव इसलिए भी अहम है क्योंकि यह वोट बैंक सपा का परंपरागत वोटर नहीं माना जाता है। सपा ने टिकट देते समय इस बार सक्रिय और शिक्षित उम्मीदवारों का चयन किया है। हाजी दानिश भी उन्हीं में से एक हैं।

सपा प्रत्याशी टिकट मिलने के बाद ही सक्रिय

सपा प्रत्याशी टिकट मिलने के बाद ही सक्रिय भी हो गए हैं। उन्होंने सभी 12 लोकसभा और 52 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अभियान शुरू कर दिया है। प्रत्याशी का कहना है कि बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक संस्थानों के वोटरों का नाम मतदाता सूची में नहीं है। वह अभियान चलाकर नाम जुड़वाने का प्रयास कर रहे हैं।

36 साल तक रहा शर्मा गुट का कब्जा

बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन सीट पर लंबे समय तक शिक्षक संगठन माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) का ही कब्जा रहा। 1972 से 2008 तक लगातार इसी गुट ने इस सीट पर कब्जा जमाया। 2014 में पहली बार सपा समर्थित संजय मिश्रा ने इस सीट पर जीत हासिल की। लेकिन 2020 में ही भाजपा ने यह सीट अपने कब्जे में ले ली।

सपा के लिए गहरी चुनौती

शिक्षक निर्वाचन पारंपरिक राजनीतिक वोटिंग पर नहीं बल्कि व्यक्तिगत छवि, भरोसे और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर टिका होता है। सपा को इस वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए ठोस एजेंडा तय करना होगा। सपा प्रत्याशी ने पुरानी पेंशन, वित्तविहीन शिक्षकों के मानदेय, मदरसा शिक्षकों का मानदेय, पदोन्नति जैसे मुद्दों को अपनी प्राथमिकताओं में गिनाए हैं। हालांकि सपा प्रत्याशी के पास अभी लंबा समय है और वह शिक्षक वर्ग से ही जुड़े हुए हैं। ऐसे में वह शिक्षक संगठनों, कॉलेज प्रबंधन समितियों और आरटीई से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाकर अपने पक्ष में माहौल तैयार कर सकते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कथनी और करनी में अंतर अनुचित परंपरा

आजकल लोकपाल जैसी संस्था अपने एक फैसले की वजह से आम जनता से लेकर विपक्ष के निशाने पर है। दरअसल लोकपाल ने अपने सदस्यों के लिए बीएमडब्ल्यू जैसी लक्जरी कार के लिए टेंडर निकाला है। इसी को लेकर चर्चा है कि जो संस्था खुद ही भारीभरकम पैसे खर्च करेगी वह अन्य संस्थाओं को कैसे रोकेगी। अर्थात यहां पर उसके कथनी व करनी में अंतर दिखाई दे रहा है जो सवर्था अनुचित है। जनता के कर के पैसे से बनी संस्थाओं की जवाबदेही जनता के प्रति होती है। परंतु जब ऐसी संस्थाएँ अपने ही संसाधनों को विलासिता में व्यय करने लगें, तो यह संकेत है कि व्यवस्था में आत्ममुग्धता प्रवेश कर चुकी है। यह बात भी विचारणीय है कि अब तक लोकपाल ने कितने बड़े भ्रष्टाचार मामलों में कार्रवाई की है? वर्ष 2014 से लेकर अब तक, इस संस्था की उपलब्धियाँ नगण्य रही हैं। कई राज्यों में लोकायुक्त सक्रिय हैं, लेकिन राष्ट्रीय लोकपाल की भूमिका अधिकतर औपचारिक ही दिखी है। ऐसे में करोड़ों रुपये खर्च कर विलासिता का यह प्रदर्शन, न केवल नैतिक असंगति है, बल्कि जनता के विश्वास का भी दुरुपयोग है।

विपक्षी नेताओं के अलावा नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने भी इस निविदा पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि लोकपाल को यह टेंडर रद्द कर 'मेक इन इंडिया' की भावना के अनुरूप महिंद्रा या टाटा के इलेक्ट्रिक वाहनों का चयन करना चाहिए था। यह सुझाव केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि पर्यावरणीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी सार्थक है। जब देश आत्मनिर्भर भारत और ईवी मिशन की दिशा में अग्रसर है, तब विदेशी विलासिता को अपनाना आत्मनिर्भरता की भावना के विपरीत है देखा जाये तो लोकपाल जैसी संस्था का नैतिक बल उसकी सादगी और ईमानदारी में निहित होता है। यदि वही संस्था आम जनता से कटकर अभिजात्य मानसिकता अपनाने लगे, तो उसका नैतिक अधिकार स्वत: कमजोर हो जाता है। यह केवल एक टेंडर का मामला नहीं है; यह उस सोच का प्रतीक है जिसमें सेवा की जगह सुविधा ने ले ली है। बहरहाल, लोकपाल के गठन का मकसद भ्रष्टाचार से लड़ना था, न कि जनसंसाधनों से विलासिता का आनंद लेना। इस प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि संस्थाएँ अपने आदर्शों से विचलित हों, तो वह जनता की नज़र में अपनी विश्वसनीयता खो देती हैं। लोकपाल को चाहिए कि वह इस निर्णय पर पुनर्विचार करे, निविदा को रद्द करे और एक बार फिर उस सादगी की राह पर लौटे, जिसकी प्रेरणा से उसका जन्म हुआ था।सच्चाई यह है कि भ्रष्टाचार केवल धन के लेनदेन से नहीं, बल्कि मानसिकता से शुरू होता है। जब शुचिता की प्रतीक संस्था ही विलासिता की प्रतीक बन जाए, तो यह केवल विडंबना नहीं, बल्कि चेतावनी है– उस आदर्श की, जो धीरे-धीरे धुंधला पड़ता जा रहा है।

“ जनता के कर के पैसे से बनी संस्थाओं की जवाबदेही जनता के प्रति होती है। परंतु जब ऐसी संस्थाएँ अपने ही संसाधनों को विलासिता में व्यय करने लगें, तो यह संकेत है कि व्यवस्था में आत्ममुग्धता प्रवेश कर चुकी है। यह बात भी विचारणीय है कि अब तक लोकपाल ने कितने बड़े भ्रष्टाचार मामलों में कार्रवाई की है? वर्ष 2014 से लेकर अब तक, इस संस्था की उपलब्धियाँ नगण्य रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ते जोखिमों के बीच विकास दर अनुमान में बढ़ोतरी

धर्मकीर्ति जोशी

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में भारत के अपने सकल घरेलू उत्पाद विकास दर अनुमान को 30 आधार अंकों की वृद्धि देते हुए, चालू वित्त वर्ष के लिए 6.8 प्रतिशत बताया है। इसके बाद, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने भी भारत को लेकर अपने अनुमान को 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। लिहाजा, 2025 में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, अमेरिका, यूरोपियन देशों और उभरते बाजारों की वृद्धि भी, विभिन्न कारणों से, तेज होने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च टैरिफ और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं लगातार बने रहने के बावजूद वैश्विक आर्थिक गतिविधियां लचीलापन लिए हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उससे जुड़ी तकनीकों और बुनियादी ढांचा विकास, खासकर डेटा केंद्रों में निवेश से चालित है। इससे घरेलू स्तर पर और यूरोप एवं एशिया में भी, डेटा केंद्रों के निर्माण और अन्य आवश्यक इनपुट की मांग बढ़ी है।

एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार, 2025 में अमेरिका की अनुमानित 1.9 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा ऐसे निवेशों से आएगा। हालांकि कुछ लोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र में निवेश को जोखिम भरा मानते हैं। उभरते बाजारों और एशिया में, विकास दो अलग-अलग चरण में होने की उम्मीद है। वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका को निर्यात में तेजी आने से लाभ हुआ, जिससे दूसरी छमाही में लागू होने वाली उच्च टैरिफ के असर से बचा जा सका। हो सकता है टैरिफ में और बढ़ोतरी से यह प्रवृत्ति वर्ष के उत्तरार्ध में जारी न रहे। एशिया में सबसे ज्यादा अमेरिकी टैरिफ का सामना भारत को करना पड़ा रहा है। हालांकि फार्मास्यूटिकल्स और स्मार्टफोन जैसे क्षेत्र को, जो अमेरिका को होने वाले भारत के कुल निर्यात का एक-चौथाई हिस्सा हैं, टैरिफ से छूट दे रखी है, लेकिन व्यापार समझौते के अभाव में वर्ष की दूसरी छमाही में टैरिफ में और वृद्धि होने की उम्मीद है। इस सबके बावजूद, भारत की विकास दर के पूर्वानुमान को बढ़ा दिया गया है।

ऐसा क्यों? चालू वित्त वर्ष की शुरुआत मजबूत रही और पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई, जो उम्मीदों से ज्यादा रही। इसके पीछे की वजह निजी खपत में बढ़ोतरी, सरकारी पूंजीगत व्यय और सेवा क्षेत्र में हुई वृद्धि रही और इसने पूर्वानुमानों में बढ़ोतरी की। देश के नियंत्रण से बाहर, लेकिन महत्वपूर्ण आर्थिक निहितार्थ वाले कारक काफी हद तक अनुकूल रहे

हैं। कच्चे तेल की कीमतें पिछले वित्त वर्ष में 78.9 डॉलर प्रति बैरल से घटकर इस वित्तीय वर्ष में औसतन 64 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद है। कच्चे तेल की कम कीमतें मुद्रास्फीति और चालू खाता घाटे (सीएडी) को नियंत्रण में रखने में मदद करती हैं, जिससे विकास को बढ़ावा मिलता है। कैलेंडर वर्ष 2024 और 2025 में मानसून की बारिश सामान्य से अधिक और लंबी चली, और देश में अखिल भारतीय वर्षा स्तर के औसत से 8 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। हालांकि, वर्षा वितरण विकृत रहा और अत्यधिक वर्षा भुगतने वाले इलाकों की संख्या 2025 में दोगुनी हो गई। जहां पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और तेलंगाना में फसल को भारी नुकसान हुआ है वहीं अन्य क्षेत्रों में खेती के अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, चावल और गेहूं का आपातकालीन भंडार, अनाज भंडारण मानकों से ऊपर बना हुआ है। सर्दियों की फसलों, जिन्हें ज्यादातर सिंचाई की जरूरत पड़ती हैं, को बेहतर हुए भूजल और जलाशय स्तर से लाभ मिलने की उम्मीद है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को बाहरी स्वस्थ संकेतकों और मजबूत बैलेंस शीट का साथ मिला हुआ है। चालू खाता घाटा (सीएडी) कम है और पूरे वित्त वर्ष के लिए जीडीपी के 1 प्रतिशत से नीचे रहने की उम्मीद है। अस्थिर पूंजी प्रवाह वाले आज के अनिश्चितता भरे वातावरण में कम सीएडी का वित्तपोषण चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हाल के महीनों में, भारत ने विशुद्ध पूंजी निर्गमन का अनुभव किया है। हालांकि, एक स्वस्थ विदेशी मुद्रा भंडार के साथ कम सीएडी का अर्थ है कि भारत अपने वित्तपोषण के लिए विदेशी प्रवाह पर निर्भर नहीं है। भारत के निर्यात का लगभग आधा हिस्सा सेवा क्षेत्र की बदौलत है, जो नई अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था से वस्तु व्यापार पर पड़ने वाले असर की तुलना में कम प्रभावित रहा है।

इस वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में, सेवा क्षेत्र निर्यात में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वस्तु निर्यात में 3.9 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक रहा। बड़े और मध्यम आकार के निगमों की बैलेंस शीट मजबूत हैं। क्रिसिल रेटिंग्स के एक हालिया अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कॉर्पोरेट क्रेडिट गुणवत्ता मजबूत है, रेटिंग अपग्रेड की संख्या डाउनग्रेड की तुलना में दो के बदले एक के अनुपात में है। स्वस्थ बैलेंस शीट के बावजूद, वैश्विक अनिश्चितता के बीच निगम आक्रामक निवेश करने में हिचकिचा रहे हैं।

हरफनमौला अभिनेता की कमी खलेगी बॉलीवुड को

वास्तव में, असरानी एक बहुमुखी और बहुआयामी प्रतिभा के धनी हास्य कलाकार थे, जिन्होंने अपनी फिल्मों में अपने संघर्ष और वास्तविक हास्य को जीवित रखा और उसे जिया भी। उनका जन्म जयपुर में 1 जनवरी, 1941 को हुआ था। यहीं के प्रसिद्ध सेंट जेवियर्स स्कूल और कॉलेज में उनकी पढ़ाई हुई और उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, जयपुर में कई साल तक काम भी किया।

डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू

भारतीय सिनेमा के लिए यह दु:ख का समय है, जब हिंदी सिनेमा के चर्चित हास्य अभिनेता गोवर्धन असरानी दिवाली के अवसर पर इस दुनिया से विदा हुए। वास्तव में यह भारतीय सिनेमा के उस हास्य कलाकार और हरफनमौला व्यक्तित्व की विदाई है, जिसकी मिसाल वे स्वयं थे। लगभग 460 से अधिक फिल्मों में काम करने वाले असरानी 1966 से लेकर अपने जीवन के अंतिम समय तक भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नामी हास्य अभिनेता रहे। उन्होंने मेहनत, संघर्ष और शिक्षा से अर्जित ज्ञान के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। वे कहते थे कि सिनेमा एक विज्ञान है और इस विज्ञान को समझने तथा सीखने के लिए उन्होंने पुणे के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में दाखिला लिया। फिर ऋषिकेश मुखर्जी जैसे पारखी फिल्म निर्माता की फिल्म 'गुड्डी' से उनकी ऐसी शुरुआत हुई कि उन्होंने फिल्मों के इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ दी।

असरानी को 'शोले' जैसी फिल्म में अंग्रेजों के जमाने के जेलर के किरदार में ऐसी प्रसिद्धि मिली कि आज भी बच्चों की जुबान पर उनका वह डायलॉग याद है। वास्तव में, असरानी एक बहुमुखी और बहुआयामी प्रतिभा के धनी हास्य कलाकार थे, जिन्होंने अपनी फिल्मों में अपने संघर्ष और वास्तविक हास्य को जीवित रखा और उसे जिया भी। उनका जन्म जयपुर में 1 जनवरी, 1941 को हुआ था। यहीं के प्रसिद्ध सेंट जेवियर्स स्कूल और कॉलेज में उनकी पढ़ाई हुई और उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, जयपुर में कई साल तक काम भी किया। अभिनेता असरानी एक उत्कृष्ट उद्घोषक और गायक भी थे। उन्होंने कई फिल्मों में हिंदी और गुजराती में गीत भी गाए। उन्होंने कपड़ा व्यापार से लेकर फिल्म निर्माण और निर्देशन तक में हाथ आजमाया, एक ऐसे कलाकार की भूमिका निभाई, जो हमेशा प्रतिभाशाली लोगों के संघर्ष से जुड़ा रहा। असरानी अपने लंबे सिनेमाई सफर के दौरान जब भी जयपुर आते थे, उनसे मुलाकात होती थी।

अपनी भावपूर्ण मुलाकातों में असरानी ने कहा था कि जीवन एक विज्ञान है, और इसे उसी तरह निभाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि अगर वे सिनेमा की बारीकियों को समझने के लिए पुणे के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में नहीं जाते, तो शायद उन्हें सिनेमा में काम नहीं मिलता। यही उनके जीवन का एक टर्निंग प्वाइंट था, और फिर जो करियर उन्होंने बनाया, वह शानदार था। उन्होंने अपने समय की मशहूर अभिनेत्री मंजू बंसल से शादी की थी, जिन्होंने 'नमक हराम' जैसी फिल्मों में काम किया था। वर्ष 1977 में असरानी ने फिल्म 'आलाप' में दो गीत गाए, जो उन पर फिल्माए गए थे। अगले साल उन्होंने फिल्म 'फूल खिले हैं गुलशन गुलशन' में मशहूर प्लेबैक गायक किशोर कुमार के साथ एक गीत गाया।

उनकी प्रसिद्ध फिल्मों के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले। उन्हें गुजराती फिल्म 'सात कैदी' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए गुजरात सरकार का पुरस्कार मिला। 1973 में 'अनहोनी' के लिए शमा-सुषमा सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता पुरस्कार, 1974 में 'अभिमान' के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता पुरस्कार, और 'आज की ताजा खबर' के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुणे में असरानी को मशहूर अभिनय शिक्षक रोशन तनेजा ने पढ़ाया। उनके शब्दों में, 'फिल्म संस्थान जाने के बाद मुझे अहसास हुआ कि यह पेशा एक विज्ञान की तरह है। आपको प्रयोगशाला में जाना पड़ता है और प्रयोग करना पड़ता है।' उन्होंने कहा कि अभिनय में आंतरिक मेकअप भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक बार कहा कि—'एक बार अभिनेता मोतीलाल पुणे के फिल्म संस्थान में मेहमान के रूप में आए थे। मेरे एक छोटे से अभिनय प्रदर्शन को देखने के बाद उन्होंने मुझसे पूछा—'तुम राजेन्द्र कुमार की बहुत सारी फिल्में देखते हो, क्या तुम उनकी नकल कर रहे हो? हमें फिल्मों में नकल नहीं चाहिए।'

यह एक बड़ा सबक था। मोतीलाल का मतलब था कि अपनी आंतरिक प्रतिभा को बाहर लाओ। उन्होंने याद करते हुए कहा कि निर्देशक ऋषिकेश मुखर्जी पुणे के फिल्म संस्थान में संपादन सिखाने आते थे। एक दिन उन्होंने ऋषिकेश मुखर्जी से मौका देने की गुजारिश की। कुछ दिनों बाद ऋषिकेश मुखर्जी फिल्म 'गुड्डी' में गुड्डी का किरदार निभाने वाली लड़की की तलाश में संस्थान आए, और फिर जब उन्हें रोल मिला, तो उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सन 1970 का दशक उनके करियर का चरम था, जब उन्होंने 'मेरे अपने', 'कोशिश', 'बावर्ची', 'परिचय', 'अभिमान', 'चुपके चुपके', 'छोटी-सी बात' और 'रफू चक्कर' जैसी शानदार फिल्मों में महत्वपूर्ण किरदार निभाए। वास्तव में, वे एक ऐसे बहुमुखी कलाकार थे, जिनकी टाइमिंग और संवाद बोलने का तरीका दर्शकों को हमेशा याद रहेगा।

अनार का जूस

अनार का जूस पॉलीफेनोल और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। ये दोनों ही लिवर के लिए बेहद फायदेमंद हैं। ये शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं और लिवर को क्षति से बचाते हैं। अनार का जूस लिवर में सूजन को भी कम करने में मदद करता है, जिससे लिवर स्वस्थ और मजबूत बना रहता है। जिन लोगों में खून की कमी रहती है उन्हें अनार का जूस पीना चाहिए। यह आयरन का अच्छा सोर्स माना जाता है। इसमें विटामिन सी, ई और के जैसे पोषक तत्व होते हैं। जिससे शरीर की इम्यूनिटी बूस्ट होती है। अगर आप थका महसूस करते हैं तो रोजाना अनार का जूस पीएं। क्योंकि इससे नेचुरल एनर्जी बूस्ट होती है। जो लोग अक्सर अवसाद में रहते हैं उनके लिए भी अनार का जूस फायदेमंद होता है। क्योंकि अनार के जूस का सेवन करने से मानसिक तनाव कम होता है।

नींबू पानी

सुबह की शुरुआत एक गिलास गुनगुने नींबू पानी से करना लिवर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। नींबू में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं। यह लिवर में एंजाइमों के उत्पादन को बढ़ाते हैं, जो शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह एक सरल और प्रभावी तरीका है। ये कब्ज, एसिडिटी या अपच की समस्या में भी राहत देता है। नींबू में साइट्रस एसिड पाया जाता है, जो पेट के एसिड को बैलेंस करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। वहीं नींबू में मौजूद विटामिन ष्ट और एंटीऑक्सीडेंट मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं, जिससे शरीर तेजी से फैट बर्न करता है।

डाइट में शामिल करें ये ड्रिंक्स

स्वस्थ रहेगा लिवर

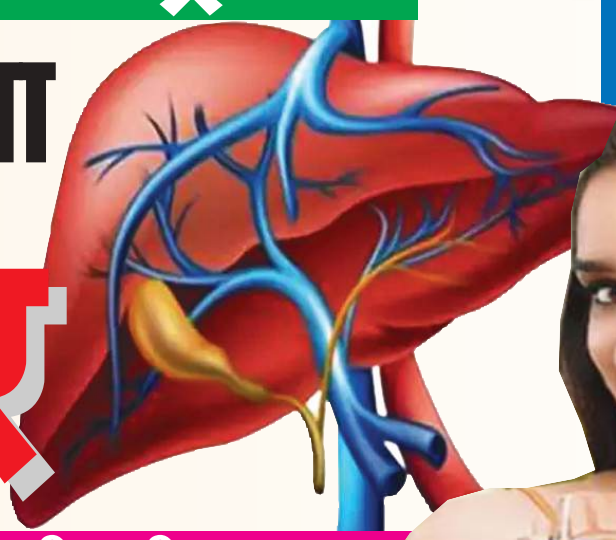

लिवर हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने, भोजन को पचाने और मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य करता है। हालांकि हमारी अनहेल्दी जीवनशैली, खराब खान-पान और शराब के अत्यधिक सेवन से लिवर पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है, जिससे फैटी लिवर और सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। अपने लिवर को स्वस्थ रखना एक लंबी और सेहतमंद जिंदगी जीने के लिए बहुत जरूरी है। अच्छी बात यह है कि हम अपने दिनचर्या में कुछ आसान से बदलाव करके अपने लिवर को स्वस्थ्य रख सकते हैं। जी हां, कुछ खास तरह के ड्रिंक्स को अपनी दिनचर्या में शामिल करके न सिर्फ अपने लिवर को डिटॉक्स रख सकते हैं, बल्कि आपके समग्र स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं।

माचा

माचा एक विशेष प्रकार की ग्रीन टी है, जिसमें कैटेचिन्स और क्लोरोफिल की मात्रा बहुत अधिक होती है। माचा का सेवन लिवर को डिटॉक्स करने में बहुत प्रभावी होता है। यह लिवर के एंजाइमों को सक्रिय करता है और शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। माचा लिवर के स्वास्थ्य के लिए एक बेहतरीन सुपरफूड है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी अपने शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स, विशेष रूप से कैटेचिन्स के लिए जानी जाती है। ये एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर में फैट जमा होने से रोकते हैं और लिवर में सूजन को कम करते हैं। नियमित रूप से ग्रीन टी का सेवन करने से लिवर की कार्यक्षमता बेहतर होती है और फैटी लिवर जैसी समस्याओं का जोखिम कम होता है। ग्रीन टी के कई प्रकार होते हैं और इसमें कई तरह के पोषक तत्व भी होते हैं। जैस्मीन, मोरक्को आदि ग्रीन टी के प्रकार हैं। बात करें इसमें मौजूद पोषक तत्वों की तो यह ग्रीन टी में प्रोटीन, आयरन, एनर्जी, मैग्नीशियम, पोटैशियम, मैंगनीज, सोडियम, नियासिन, कॉपर, जिंक, अमीनो एसिड आदि होते हैं।

हंसना मना है

पत्नी- हम कहां जा रहे हैं? पति- लॉन्ग ड्राइव पर.. पत्नी- तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? पति- मुझे भी अभी-अभी पता चला, जब ब्रेक फेल हो गए!

टीचर ने पूछा- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए? छात्र- क्योंकि पता नहीं परीक्षा में किसके पीछे बैठना पड़ जाए। टीचर बेहोश...

सेल्समैन- सर कॉकरोच के लिए पाउडर लेंगे क्या? पप्पू- नहीं हम कॉकरोच को इतना लाड़-प्यार नहीं करते! आज पाउडर लगा देंगे तो कल हो सकता है परफ्यूम मांगे... सेल्समैन बेहोश...

कंजूस महिला दुकानदार से- ऐसा साबुन दो जो कम घिसे और नहाने के बाद चेहरे पे लाली लाए... दुकानदार नौकर से- मैडम को एक ईंट का टुकड़ा दे दो...!

लड़का लड़की होटल में गए... वेटर- मैम आप क्या लेंगी? लड़की- मिर्च वाला घेवर..! वेटर- क्या...? लड़की- बोला न मिर्च वाला घेवर...! वेटर (हैरानी से)- क्या...? लड़का- अरे भाई गांव की है, तू टेंशन मत ले, पिज्जा मांग रही है!

कहानी — जोरू का गुलाम

एक बार की बात है, राजा अकबर व बीरबल दरबार में बैठे कुछ अहम मामलों पर चर्चा कर रहे थे। तभी बीरबल ने अकबर से कहा, मुझे लगता है कि ज्यादातर पुरुष जोरू के गुलाम होते हैं और अपनी पत्नियों से डर कर रहते हैं। बीरबल की यह बात राजा को बिल्कुल भी पसंद न आई। उन्होंने इस बात का विरोध किया। इस पर बीरबल भी अपनी बात मनवाने पर अड़ गए। उन्होंने राजा से कहा कि वे अपनी बात को सिद्ध कर सकते हैं। मगर, इसके लिए राजा को प्रजा के बीच एक आदेश जारी करवाना होगा। वह आदेश यह था कि, जिस पुरुष के अपनी पत्नी से डरने की बात सामने आएगी, उसे दरबार में एक मुर्गी जमा करानी होगी। राजा बीरबल की इस बात पर तैयार हो गए। अगले ही दिन प्रजा के बीच आदेश कराया गया कि अगर यह बात सिद्ध हो जाती है कि कोई पुरुष अपनी पत्नी से डरता है, तो उसे दरबार में आकर बीरबल के पास एक मुर्गी जमा करवानी होगी। फिर क्या था, देखते ही देखते बीरबल के पास ढेरों मुर्गियां इकट्ठा हो गईं और सैंकड़ों मुर्गियां महल के बगीचे में घूमने लगीं। अब बीरबल राजा के पास पहुंचे और बोले, महाराज! महल में इतनी मुर्गियां इकट्ठा हो गई हैं कि आप एक मुर्गीखाना खोल सकते हैं, इसलिए अब आप इस आदेश को वापिस ले सकते हैं। मगर, महाराज ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया और महल में मुर्गियों की संख्या धीरे-धीरे और भी ज्यादा बढ़ने लगी। इतनी अधिक मुर्गियां महल में जमा हो जाने के बाद भी जब राजा अकबर बीरबल की बात से सहमत नहीं हुए, तो बीरबल ने अपनी बात सिद्ध करने के लिए एक नया उपाय निकाला। एक दिन बीरबल राजा के पास गए और बोले, महाराज! मैंने सुना है कि पड़ोस के राज्य में एक बहुत ही खूबसूरत राजकुमारी रहती है। अगर आप चाहें, तो क्या मैं आपका रिश्ता वहां पक्का कर आऊं? यह सुनते ही राजा चौंक उठे और बोले, बीरबल! तुम ये कैसी बातें कर रहे हो। महल में पहले से ही दो महारानियां मौजूद हैं। अगर उन्हें इस बात की भनक भी लगी, तो मेरी खैर नहीं होगी। यह सुनकर बीरबल ने तपाक से जवाब दिया, चलिए महाराज, फिर तो आप भी मेरे पास दो मुर्गियां जमा करा ही दीजिए। राजा बीरबल का ऐसा जवाब सुनकर शरमा गए और उन्होंने अपना आदेश उसी वक्त वापस ले लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

वृषभ — पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। प्रतिद्वंद्विता रहेगी।

मिथुन — मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क — जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें। घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह — मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कन्या — घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वस्तुएं संभालकर रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

तुला — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। प्रमाद न करें।

वृश्चिक — आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है।

धनु — व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

मकर — प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नई योजना बनेगी।

कुम्भ — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मीन — व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें।

बॉलीवुड | अपकमिंग

रोमांटिक फिल्में करने के लिए मुझे अपने पिता से मिली प्रेरणा : हर्षवर्धन

हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के लिए खूब तारीफें बटोर रहे हैं। हर्षवर्धन ने फिल्म सनम तेरी कसम से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई, जिसमें उन्होंने एक रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाई थी। अब हर्षवर्धन ने बताया है कि उन्हें रोमांटिक रोल क्यों पसंद आते हैं। गौरतलब है कि फिल्म सनम तेरी कसम के बाद हर्षवर्धन को पहचान मिली और अब वे एक और रोमांटिक हीरो के रोल में फिर वापसी कर रहे हैं। इस बारे में बात करते हुए एक्टर ने खुलासा किया कि उन्हें ऐसे रोल क्यों आकर्षित करते हैं। फिल्मफेयर से बात करते हुए हर्षवर्धन ने कहा, मैंने अपने पिता को अलग-अलग समय में 5-6 पार्टनर्स के साथ देखा है, मैं चुपके से उन्हें देखता था। उनके प्यार, इमोशनल कनेक्ट और रिश्तों की चाहत को समझने की कोशिश करता था। बचपन में मैं उनकी भावनाओं को बिना उन्हें असहज किए समझता था। एक्टर ने फिल्म में सोनम बाजवा के साथ काम करने के एक्सपीरियंस के बारे में भी बात की। उन्होंने सोनम को एक ऐसी कलाकार बताया जिनमें अपार संभावनाएं हैं और उनकी ईमानदारी और भावनात्मक गहराई की तारीफ की। एक्टर ने कहा, सोनम न केवल एक सफल व्यावसायिक नायिका हैं, बल्कि एक सशक्त एक्ट्रेस भी हैं जो खामोशी में भी किसी भी सीन पर अपनी पकड़ बनाने में सक्षम हैं। बता दें कि हर्षवर्धन ने 2016 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा होकेन के साथ सनम तेरी कसम से बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि शुरुआत में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन बाद में सोशल मीडिया पर इसे लोकप्रियता मिली। दोबारा रिलीज होने पर इसने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए।

आयशा खान को मिला बड़ा ब्रेक कपिल शर्मा संग करेंगी रोमांस

मुनव्वर फारूकी की एक्स गर्लफ्रेंड आयशा खान के सितारे बुलंदियों पर हैं। आयशा ने बिग बॉस 17 में बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट एंट्री ली थी। शो में उन्होंने मुनव्वर को एक्सपोज किया था। बिग बॉस से बाहर निकलने के बाद एक्ट्रेस के सितारे बुलंदियों पर दिख रहे हैं। उन्हें बैक टू बैक प्रोजेक्ट्स मिल रहे हैं। अब आयशा को कपिल शर्मा की फिल्म में बड़ा ब्रेक मिला है।

23 अक्टूबर को कपिल शर्मा ने फैन्स के साथ बड़ी खबर शेयर की है। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 की रिलीज डेट का ऐलान किया है। कपिल की फिल्म 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा कि डबल कंफ्यूजन और चार गुना फन के लिए तैयार रहिए। पोस्टर में ये भी लिखा गया कि डोली उठी, दुर्घटना घटी। पोस्टर के साथ ही फिल्म में उनकी चार हीरोइन का सस्पेंस भी खत्म कर दिया गया है। कपिल के साथ फिल्म में त्रिधा चौधरी, आयशा खान, पारूल गुलाटी और हीरा वरीना लीड रोल में हैं। ये सभी एक्ट्रेस फिल्म में कपिल की दुल्हन के कैरेक्टर में दिखाई देंगी। कपिल शर्मा की फिल्म हाथ लगना आयशा के लिए बड़ा मौका है। इस फिल्म के साथ वो बड़े पर्दे पर एंट्री लेने जा रही हैं। पोस्टर में आयशा रेड कलर के लहंगे में खूबसूरत लग रही हैं। उनके चेहरे के एक्सप्रेशन भी कमाल के लग रहे हैं। फिल्म का पोस्टर देखने वालों की निगाहें आयशा पर ना टिकें, ये हो ही नहीं सकता। कपिल की फिल्म में आयशा को देखकर फैन्स भी सरप्राइज हैं। हालांकि, उनके लिए खुशी भी है कि उन्होंने कम समय में इतनी बड़ी सक्सेस पा ली।

आयशा खान ने बिग बॉस में रिवील किया था कि मुनव्वर, नाजिला और उन्हें साथ डेट कर रहे थे। उन्होंने अपनी दोनों गर्लफ्रेंड्स से कई वादे भी किए थे। लेकिन मुनव्वर का कहना था कि वो आयशा से प्यार नहीं करते थे। विवाद के बाद कई लोगों ने आयशा को ट्रोल किया। लेकिन उन्हें इससे फेम भी मिला। शो से बाहर निकलने के बाद उन्हें कई म्यूजिक वीडियो में काम करने का मौका मिला। सरगुन मेहता और रवि दुबे ने अपने शो दिल को रफू कर ले में आयशा को बतौर लीड हीरोइन साइन किया। शो में आयशा ने अपनी एक्टिंग से फैन्स को दीवाना बना दिया।

बॉलीवुड | गपशप

राम चरण के घर फिर गूंजेगी किलकारी, पत्नी उपासना बोलीं- खुशियां दोगुनी

साउथ सिनेमा के फेमस एक्टर राम चरण के घर फिर से किलकारी गूंजने वाली है। वो एक बार फिर पापा बनने वाले हैं। राम की पत्नी उपासना कोनिडेला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर ये गुड न्यूज शेयर की। मालूम हो कि राम चरण और उपासना एक बेटी क्लिन कारा के पेरेंट्स हैं।

उपासना ने वीडियो शेयर घर में सभी के खुश चेहरे दिखाए। राम चरण इस खुशखबरी से फूले नहीं समा रहे हैं। वो प्यार से पत्नी के चेहरे को निहारते दिखाई दिए। वहीं सभी ने उपासना की गोद भरी और उन्हें आशीर्वाद दिया। वीडियो में पूरा परिवार उपासना और राम चरण के लिए चीयर करता और उनकी खुशी शामिल होता नजर आया। इस प्यारे से वीडियो को शेयर कर उपासना ने भी लिखा कि- इस दिवाली का मतलब था दोगुना उत्सव, दोगुना प्यार और दोगुना आशीर्वाद। उपासना ने पोस्ट के जरिए बताया कि उनके जीवन में दोगुनी खुशी आने वाली है। इस मौके पर चिरंजीवी ने घर में राम लला की मूर्ति भी स्थापित की, जो कि हूबहू अयोध्या के राम मंदिर में स्थापित मूर्ति जैसी है। सभी उनके दर्शन कर पूजा करते भी दिखाई दिए। वहीं वीडियो के अंत में पैरों के छाप के साथ नई शुरुआत का सेलिब्रेशन लिखकर बताया कि घर में नन्हा मेहमान आने वाला है।

उपासना की दी इस गुड न्यूज ने फैंस का भी दिन बना दिया है। दोस्तों के साथ-साथ चाहने वाले भी कमेंट सेक्शन में इस लवली कपल को बधाई देते दिख रहे हैं। वहीं कुछ ये भी कह रहे हैं कि अब तो घर में जूनियर राम चरण आने वाला है। तो वहीं कुछ ने बच्चे की अच्छी सेहत की कामना की।

मालूम हो कि राम चरण और उपासना को एक बेटी क्लिन कारा है। इनका जन्म 2023 में हुआ था, वो दो साल की हो चुकी है। कपल ने अभी तक बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है, लेकिन उपासना अक्सर क्लिन की प्यारी झलक सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

अजब-गजब | भारत के इस पड़ोसी देश में दहेज का है अजीब नियम

यहां दूल्हे का परिवार दुल्हन को देता है दहेज

भारत के कट्टर दुश्मनों की बात हो तो पाकिस्तान और चीन के नाम सबसे ऊपर आते हैं। सीमा विवाद, व्यापार युद्ध और राजनीतिक तनाव के बीच चीन की एक परंपरा आपके होश उड़ा देगी। वहां शादी में दहेज लेने की बजाय लड़के की फैमिली दुल्हन की तरफ लाखों रुपये और तोहफे देती है! इसे 'कैलि' कहते हैं, जो ब्राइड प्राइस का चाइनीज रूप है। भारत में दुल्हन की फैमिली दहेज देती है, जो कानूनी अपराध है, लेकिन चीन में उल्टा नियम है। यहां लड़के वाले 'सच्चाई' और सम्मान दिखाने के लिए पैसे देते हैं। कैलि की जड़ें चाइनीज इतिहास में हैं, जो झोउ राजवंश (1046-256 ईसा पूर्व) से चली आ रही है। यह 'रंगीन तोहफे' का प्रतीक है- नकदी, गहने, घरेलू सामान। हर लड़का औसतन राष्ट्रीय स्तर 69,000 युआन (लगभग 8.2 लाख भारतीय रुपये) देता है, लेकिन जियांग्सू जैसे अमीर प्रांतों में 2 लाख युआन (24 लाख रुपये) तक पहुंच जाता है। ग्रामीण इलाकों में तो 3-4 लाख युआन की मांग आम है जो शादियों को टाल देती है। 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, चीन में शादियां 10 प्रतिशत घटी हैं क्योंकि युवा पुरुष कैलि का बोझ नहीं उठा पा रहे हैं। चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज की रिपोर्ट कहती है कि जेंडर इम्बैलेंस जो 2025 में 30 मिलियन ज्यादा पुरुष हो चुकी है, ने ब्राइड प्राइस को आसमान पर पहुंचा दिया है।

भारत से तुलना करें तो दोनों प्रथाएं पितृसत्तात्मक हैं, लेकिन दिशा उल्टी है। भारत में दहेज दुल्हन की फैमिली से लड़के की तरफ जाता है जो महिला उत्पीड़न का कारण है। 1961 का दहेज निषेध कानून होने के बावजूद सालाना 8,000 मामले दर्ज किये जाते हैं। वहीं चीन में कैलि लड़के की फैमिली से दुल्हन की तरफ जाता है जो 'मां का आशीर्वाद' दिखाता है। लेकिन समस्या समान है- आर्थिक दबाव। एक चाइनीज सोशलॉजिस्ट शर्ली के ने कहा, कैलि महिलाओं को मूल्यवान बनाती है, लेकिन पुरुषों को कर्जदार। भारत में दहेज से लड़कियां बोझ मानी जाती है जबकि चीन में 'एक बच्चा नीति' के बाद लड़कियां दुर्लभ हो चुकी है। इसलिए इनकी प्राइस हाई है। 2025 में चाइनीज सरकार ने कैलि पर लगाम कसने के कदम उठाए। जनवरी में ग्रामीण इलाकों में 'सरलीकृत शादी गाइडलाइंस' जारी की गई जिसमें ब्राइड प्राइस 10,000 युआन (1.2 लाख रुपये) से ज्यादा ना हो, इसका फैसला लिया गया। शादियों में मेहमान 30 से कम होने चाहिए और तोहफे सीमित कर दिए गए। शेनझेन जैसे शहरों में 'नो कैलि' कैंपेन चला, जहां युवा जोड़े इसे 'पुरानी रस्म' बता रहे हैं। लेकिन ग्रामीण चीन में विद्रोह भी देखने को मिला। कुछ गांवों में 3.8 लाख युआन की मांग की गई जो ग्वांगडोंग के औसत 42,000 युआन से दोगुना है। एक सर्वे में 60प्रतिशत युवा महिलाओं ने कहा कि कैलि जरूरी है क्योंकि 'यह सुरक्षा की गारंटी' है। वहीं पुरुषों में 40प्रतिशत ने शादी कैलि के कारण टाल दी।

इस देश में कंगाल होना है गुनाह! यहां भीख मांगते पकड़े जाने पर लगता है जुर्माना साथ ही हो जाती है जेल

दुनिया में एक ऐसा देश सोचिए, जहां गरीब होना अपराध जैसा है! स्विट्जरलैंड, जो यूरोप का सबसे समृद्ध राष्ट्र है, वहां आपको एक भी कंगाल या बेघर इंसान ढूंढने से भी नहीं मिलेगा। यहां सरकार गरीबी को इतनी सख्ती से निपटती है कि यह लगभग 'अवैध' हो गई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और पोस्ट्स में दावा किया जा रहा है कि न्यूनतम वेतन 4000 यूरो (4,07,856 रुपए) मासिक है, बेरोजगारी पर आखिरी सैलरी का 80 प्रतिशत भत्ता मिलता है और सड़कों पर सिगरेट का ठूठ फेंकने मात्र पर 300 यूरो (30589 रुपए) का चालान कट जाता है। यह सुनने में सपना लगता है, लेकिन हकीकत में यह अनुशासन की मिसाल है। स्विट्जरलैंड की यह व्यवस्था 19वीं सदी से विकसित हो रही है, जब देश में मजबूत सामाजिक सुरक्षा जाल बिछाया गया था। यहां कोई सड़क पर नहीं सोता, क्योंकि अगर आप घर खो देते हैं, तो सरकार आपको नया आवास मुहैया कराती है। फेडरल हाउसिंग पॉलिसी के तहत 60प्रतिशत आबादी को सब्सिडाइज्ड अपार्टमेंट मिलते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं लगभग मुफ्त हैं और अगर बेरोजगार हो जाते हैं, तो ना सिर्फ 80प्रतिशत तक सैलरी का भत्ता मिलता है, बल्कि करियर रिट्रेनिंग प्रोग्राम भी फ्री में दिया जाता है। स्विस फेडरल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के अनुसार, देश की गरीबी दर मात्र 6.6 प्रतिशत है, जो रिलेटिव पॉवर्टी को दर्शाती है- यानी कोई व्यक्ति भूखा नहीं सोता। सड़कों की सफाई स्विट्जरलैंड की पहचान है। यहां कचरा फैलाने पर 10,000 फ्रैंक (लगभग 10,500 यूरो) तक जुर्माना हो सकता है और सिगरेट बट डालने पर 250-300 फ्रैंक। यह 'क्लीन स्विट्जरलैंड' कैंपेन का हिस्सा है, जो 1980 के दशक से चल रहा है। पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में प्रति व्यक्ति कचरा उत्पादन न्यूनतम है, और रिसाइक्लिंग रेट 50प्रतिशत से ऊपर। अपराध दर इतनी कम है कि पुलिस को रूटीन में हथियार ले जाने की जरूरत नहीं पड़ती। केवल 10प्रतिशत पुलिसकर्मी गन कैरी करते हैं और वे भी सिर्फ स्पेशल सिचुएशन में। यूएन के क्राइम इंडेक्स में स्विट्जरलैंड टॉप 10 सबसे सुरक्षित देशों में है। सिंगापुर में 'डेस्टीट्यूट पर्सन्स एक्ट' के तहत भीख मांगना अवैध है, जिस पर 3000 सिंगापुर डॉलर (लगभग 1800 यूरो) जुर्माना या जेल हो सकती है। सिंगापुर की अर्थव्यवस्था काफी मजबूत है। यहां जीडीपी प्रति व्यक्ति 92,000 स्ष्ठ, जो दुनिया में सबसे ऊंचा है। वहीं टैक्स सिस्टम फेवरेबल है, लेकिन अमीरों पर 40प्रतिशत तक टैक्स है। शिक्षा फ्री है और यूनिवर्सिटी ट्यूशन न्यूनतम है।

छठ से पहले यमुना को लेकर रार

आप ने भाजपा सरकार पर किया वार

» छठ पर्व के दौरान दिल्ली में यमुना के प्रदूषण को कम दिखाने की मंशा: भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

किसानों के हिस्से का पानी यमुना में किया डायवर्ट : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने एकबार फिर भाजपा शासित हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार पर करारा वार किया है। पार्टी ने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने हथिनी कुंड बैराज से उत्तर प्रदेश के किसानों के हिस्से का पानी यमुना में डायवर्ट कर दिया है। इसके पीछे छठ पर्व के दौरान दिल्ली में यमुना के प्रदूषण को कम दिखाने की मंशा है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने एक वीडियो साझा कर भाजपा की साफ यमुना की मुहिम को झूठा प्रचार करार दिया। भारद्वाज ने कहा कि यमुना के प्रदूषित होने पर भाजपा की सरकारें डर गई हैं और वह छठ पर्व से पहले यमुना का पानी साफ दिखाने के लिए हद पार कर रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की ईस्टर्न कैनाल का पूरा पानी रोक कर उसे यमुना में डाल दिया है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा का झूठ अब बेनकाब हो चुका है। भाजपा ने पिछले 10-11 सालों से पूर्वांचलियों को छठ पूजा के नाम पर छलने का काम किया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा की सरकारें केवल प्रचार और फोटोशूट के लिए काम कर रही हैं। कैनाल सूखी पड़ी है, किसान परेशान हैं, लेकिन यमुना में दिखावा जारी है।

भाजपा का पूर्वांचल प्रेम दिखावा: विनय मिश्रा

आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर पूर्वांचल समाज के प्रति दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक विनय मिश्रा ने कहा कि भाजपा का छठ पूजा में उमड़ा प्यार दिखावा है, असल में उसका इतिहास पूर्वांचलियों से नफरत का रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने बार-बार दिल्ली में छठ पूजा में विघ्न डाला है और अब बिहार चुनाव के कारण उन्हें पूर्वांचलियों की याद आ रही है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पूर्वांचल समाज से आने वाले दिल्ली के परिवहन मंत्री की तस्वीर डीटीसी बसों पर नहीं लगने दी, जबकि पहले मुख्यमंत्री और मंत्री की तस्वीरें लगाई जाती थीं। यह भाजपा की पूर्वांचल विरोधी मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 1999 में भाजपा मेयर योग ध्यान आहूजा ने पूर्वांचलियों को दिल्ली की छवि खराब करने वाला कहा था, वहीं 2004 में भाजपा विधायक विजय जौली ने डीयू में यूपी-बिहार के छात्रों के दाखिले पर रोक लगाने की मांग की थी। विनय मिश्रा ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय गोयल ने संसद में यूपी-बिहार के मजदूरों को दिल्ली में न आने देने की बात कही थी। मिश्रा ने कहा कि भाजपा का पूर्वांचल प्रेम बिहार चुनाव की मजबूरी है, जबकि असल में वे हमेशा पूर्वांचलियों को दिल्ली से बाहर निकालने की सोच रखते हैं।

आठ माह में बदली यमुना की सूरत, अब आचमन योग्य हुआ जल : सचदेवा

रेखा गुप्ता सरकार के आठ माह के प्रयासों से आज यमुना का जल स्वच्छ हो गया है। वह डुबकी और आचमन योग्य बन गया है। पिछले वर्ष जब छठ से दस दिन पहले 25 अक्तूबर को आईटीओ घाट पर यमुना में डुबकी लगाई थी तब यमुना की स्थिति एक गंदे नाले जैसी थी। विषैले पानी के कारण अस्पताल तक जाना पड़ा था लेकिन अब वही यमुना भाजपा सरकार के संकल्प से पुनर्जीवित हो चुकी है। यह बातें प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कही।सचदेवा ने बताया कि आज भाजपा प्रवक्ता और पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. अनिल गुप्ता ने कालिंदी कुंज और आईटीओ घाटों पर पत्रकारों के समक्ष यमुना के जल का आचमन किया जिससे साफ हुआ कि यमुना में न तो बदबू है और न ही प्रदूषण का पहले वाला स्तर है। डॉ. गुप्ता ने यमुना सफाई का वैज्ञानिक डाटा दिखाते हुए बताया कि जल का मिश्रित ऑक्सीजन स्तर (डीओ) 4.5 से 5.5 के बीच और पीएच स्तर 7.5 तक पहुंच गया है, जो सामान्य श्रेणी के करीब है।

जस्टिस सूर्यकांत हो सकते हैं देश के अगले प्रधान न्यायाधीश

» 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं सीजेआई गवई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। उच्चतम न्यायालय के मौजूदा प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। कानून मंत्रालय ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई को पत्र लिखकर उनके उत्तराधिकारी का नाम मांगा है, संभावना है कि सुप्रीम कोर्ट के सबसे सीनियर जज जस्टिस सूर्यकांत देश के नए प्रधान न्यायाधीश होंगे। सूर्यकांत सीजेआई बीआर गवई के बाद उच्चतम न्यायालय के सबसे सीनियर जज हैं। और भारतीय न्यायपालिका के अगले प्रमुख बनने की कतार में पहली पायदान पर हैं।

जस्टिस सूर्यकांत का जन्म हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी 1962 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उन्हें 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया था। जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश पर मुहर के बाद वह 24 नवंबर को चीफ जस्टिस की जिम्मेदारी संभालेंगे। वो 9 फरवरी 2027 तक यानी करीब 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट आने से पहले जस्टिस सूर्यकांत के पास बतौर जज 20 साल से अधिक का लंबा अनुभव रहा है। अनुच्छेद-370, पेगासस स्पाईवेयर, ओआरओपी जैसे तमाम मसलों से जुड़ी खंडपीठ का हिस्सा रहे हैं।

महिला विश्वकप : भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

» टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 53 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवी मुंबई। भारत ने न्यूजीलैंड को 53 रन से हराकर महिला विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बारिश ने बाधा डाली, जिसके चलते मैच को 49 ओवर का करने का निर्णय लिया गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने 49 ओवर में तीन विकेट खोकर 340 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो एक बार फिर बारिश आई और डीएलएस पद्धति के तहत उन्हें 44 ओवरों में 325 रनों का नया लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। उनके लिए ब्रूक हॉलिडे ने 81 रन और इसाबेल गेज ने नाबाद 65 रन की पारी खेली।

भारत की ओर से रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि स्नेह राणा, श्री चरणी, दीप्ति शर्मा और प्रतिका रावल को एक-एक सफलता मिली। भारत की सलामी जोड़ी स्मृति मंधाना (109) और प्रतिका रावल (122) ने पहले विकेट के लिए 212 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की, जो महिला विश्व कप इतिहास में भारत की सबसे बड़ी साझेदारी बन गई। उसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने आक्रामक अंदाज में 55 गेंदों पर नाबाद 76 रन बनाए और टीम का स्कोर 340 रन तक पहुंचाया। वहीं अपने वनडे करियर के 14वें शतक के साथ मंधाना महिला क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गईं। और एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में उन्होंने तजमिन ब्रिट्स की बराबरी कर ली। दोनों ने 2025 में पांच-पांच शतक लगाए हैं। मंधाना ने 2024 में उन्होंने चार शतक लगाए थे।

भारत का एडिलेड में विजय अभियान रुका, सीरीज भी गंवाई

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दो विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। गुरुवार एडिलेड में खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारत ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ भारत का एडिलेड में चला आ रहा विजयी अभियान थम गया। इससे पहले भारत ने 2008 के बाद से इस मैदान पर कोई मैच नहीं हारा था। भारत ने आखिरी बार फरवरी, 2008 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 रन से हार झेली थी। 2019 के बाद पहली बार इस मैदान पर भारत एडिलेड में वनडे मैच खेलने उतरा था।

राजस्थान में कानून व्यवस्था पर घमासान

» पूर्व सीएम गहलोत व मंत्री में तीखी नोंक-झोंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर । राजस्थान की कानून व्यवस्था को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रदेश में लगातार बढ़ते अपराधों को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। गहलोत ने लिखा, ऐसा लगता है कि राजस्थान कानून व्यवस्था से मुक्त हो गया है। हत्या, लूट, बलात्कार, चोरी सहित हर तरह के अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे त्योहार पर पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहना चाहिए, फिर भी प्रदेश के कई जिलों से गंभीर अपराधों की खबरें आईं।

उदाहरण के तौर पर, जैसलमेर में डबल मर्डर, बीकानेर में महिला जज से लूट और जोधपुर में दलित बालिका के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हुईं। गहलोत ने कहा, राजस्थान अब अपराधियों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान बन गया है। दीपावली जैसे शुभ अवसर पर ऐसी घटनाएं शर्मनाक हैं।

गहलोत के समय कानून का शासन नहीं था : बेढम

इस पर जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने गहलोत के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय राजस्थान में कानून का शासन नहीं था। वर्तमान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। बेढम ने दावा किया, लगभग दो वर्षों में प्रदेश में अपराधों में कमी आई है। महिलाओं और दलितों के खिलाफ अत्याचार घटे हैं। अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है और कई बड़े अपराधियों को जेल भेजा गया है। मंत्री ने कहा, गहलोत जी को जनता को गुमराह करने की बजाय सच स्वीकार करना चाहिए। आज प्रदेश में सुराज स्थापित है, अराजकता नहीं।

न्यायपालिका, कार्यपालिका और जनता कोई सुरक्षित नहीं है: जुली

नेता प्रतिपक्ष टीका राम जुली ने भी राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, न्यायापालिका, कार्यपालिका, सत्ताधारी पार्टी के पदाधिकारी और आम जनता कोई सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पुलिस की सफलता दिखाती है, लेकिन असल में अपराध रोज बढ़ रहे हैं।

दलितों को पीट रहे आरएसएस के लोगों पर मकोका के तहत हो कार्रवाई : वीबीए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने कहा है कि अहिल्यानगर जिले में मातंग समुदाय के एक युवक को बेहरमी से पीटा गया। उन्होंने इस हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत कार्रवाई की मांग की है।'दलित नेता ने दावा किया कि हमलावर कथित तौर पर आरएसएस से जुड़े हैं।

उन्होंने बताया कि वैरागर को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वीबीए प्रमुख के अनुसार, संजय वैरागर नामक व्यक्ति को कथित तौर पर सोनाई गांव से 15 से 20 लोगों के एक समूह ने अगवा कर लिया और उसे एक अज्ञात स्थान पर ले गए, जहां उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। आंबेडकर ने घटना को को अत्यंत क्रूर बताया।

'डबल इंजन सरकार' ने ओड़िशा का 'दोहरा विनाश' किया : मिश्रा

» नुआपाड़ा उपचुनाव में नवीन पटनायक ने संभाली कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। बीजू जनता दल (बीजद) ने ओडिशा में नुआपाड़ा उपचुनाव के लिए अपना प्रचार अभियान शुरू कर दिया तथा सत्तारूढ़ भाजपा ने विपक्षी पार्टी से यह सीट छीनने के लिए कई मंत्रियों को प्रचार अभियान में शामिल किया है। पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व में अपनी उम्मीदवार स्नेहांगिनी छुरिया के लिए बंजारी मंदिर से प्रचार अभियान की शुरुआत की और वहां अनुष्ठान किए।

पार्टी उपाध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्रा ने कहा, मैं नुआपाड़ा के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती हूं। निर्वाचन क्षेत्र की प्रगति के लिए मेरी यात्रा आज आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है।

मिश्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा की 'डबल इंजन सरकार' ने पिछले 16 महीनों में राज्य का 'दोहरा विनाश' किया है। इस बीच, सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने उम्मीदवार जय ढोलकिया की जीत सुनिश्चित करने के लिए राज्य मंत्रिमंडल के आधे सदस्यों यानी आठ मंत्रियों को मैदान में उतारा है। जय दिवंगत बीजद विधायक राजेंद्र ढोलकिया के पुत्र हैं।

महागठबंधन के दांव में फंसा बिहार विस चुनाव

» तेजस्वी के सीएम चेहरा तय होते ही एनडीए परेशान

» राजद नेता पर तीखे प्रहार जनता में जय-जयकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। इंडिया गठबंधन का सीएम चेहरा घोषित होने के बाद जहां राजद नेता तेजस्वी यादव का कद बढ़ा हैं वहीं बिहार के लोगो में उनकी चाह और बढ़ गई है। इसबीच विपक्ष खासतौर से भाजपा उससे घबरा गई इसलिए उसके सभी नेता पूर्व उपमुख्यमंत्री पर हमलावर हो गए है । इसबीच एनडीए गठबंधन पर भी सीएम चेहरे पर खुलासे को लेकर विपक्षी दलों कों दबाव बढ़ गया है।

कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित किए जाने पर कहा कि सिर्फ आरोपों से कोई दोषी नहीं होता। उन्होंने एनडीए द्वारा सीएम उम्मीदवार घोषित न करने पर सवाल उठाए, यह संकेत देते हुए कि नीतीश कुमार को भाजपा ने दरकिनार कर दिया है, जो बिहार चुनाव की राजनीतिक गतिशीलता को दर्शाता है।

एनडीए अपना सीएम उम्मीदवार घोषित करे : इमरान मसूद

तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने कहा कि विपक्ष ने अपना उम्मीदवार तय कर लिया है, लेकिन एनडीए ने अभी तक अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ़ भ्रष्टाचार के आरोपों से कोई दोषी नहीं हो जाता। मसूद ने एएनआई से कहा कि मने अपना उम्मीदवार तय कर लिया है, लेकिन एनडीए ने अभी तक अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। ऐसा लगता है कि नीतीश कुमार को भाजपा ने दरकिनार कर दिया है। सिर्फ़ तेजस्वी यादव और लालू यादव ही नहीं, बल्कि कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। सिर्फ़ आरोपों से कोई दोषी साबित नहीं होता।

प्रियंका गांधी व खरगे भी छठ पूजा के बाद करेंगे प्रचार

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी छठ पूजा के बाद 28 अक्टूबर को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रचार अभियान शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पहले चरण के मतदान से पहले और उसके बाद दूसरे चरण के मतदान वाली सीटों के लिए संयुक्त रैलियों को संबोधित करेंगे। 2025 के बिहार चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच मुकाबला है। एनडीए में भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं।

इंडिया' गठबंधन मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करता है : चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने विपक्षी गठबंधन इंडिया और राजद नेता तेजस्वी यादव पर आरोप लगाया कि विपक्ष मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करता है, और उनके वास्तविक प्रतिनिधित्व से हमेशा किनारा करता है।पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पासवान ने कहा, 'इंडिया' गठबंधन यादवों और सहनी समाज के नाम पर राजनीति कर रहा है, लेकिन मुसलमानों की बात वह केवल वोट के समय करता है। मुसलमानों की जनसंख्या बिहार में लगभग 18 फीसदी है, फिर भी 'इंडिया' गठबंधन ने किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या किसी प्रमुख पद का उम्मीदवार नहीं बनाया। उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव, यादव समाज से हैं, जिनकी आबादी करीब 13 फीसदी है, जबकि मुकेश सहनी, साहनी समाज से आते हैं, जिनकी आबादी लगभग 2 फीसदी है। लेकिन 18 फीसदी मुस्लिम आबादी के बावजूद, मुसलमानों को सत्ता की भागीदारी से वंचित रखा गया है। ये लोग सिर्फ मुसलमानों को डराकर और भावनात्मक मुद्दों पर भड़का कर वोट लेना जानते हैं, उन्हें असली प्रतिनिधित्व देने की उनकी नीयत कभी नहीं रही। पासवान ने दावा किया कि अब मुसलमान भी समझ चुके हैं कि तेजस्वी यादव और उनके सहयोगी केवल चुनाव के वक्त उन्हें याद करते हैं, शासन और सत्ता में उन्हें कोई जगह नहीं देते। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सभी तबकों के विकास के लिए काम कर रही है, जबकि महागठबंधन समाज को जाति और धर्म के आधार पर विभाजित करने की राजनीति कर रहा है।

नित्यानंद ने तेजस्वी को घेरा, कहा- वे तो भ्रष्टाचार के पर्याय हैं!

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें भ्रष्ट करार दिया और कहा कि वे भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी साबित हो चुके हैं। राय ने कहा कि तेजस्वी यादव द्वारा अपने परिवार के लिए धन संचय करने और साम्राज्य बनाने के प्रयास के कारण बिहार पीछे चला गया है। राय ने कहा कि जो व्यक्ति भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है और जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप साबित हो चुके हैं, अगर वह ऐसी बातें कह रहा है, तो यह और भी चौंकाने वाली बात है। भाजपा नेता ने कहा कि बिहार इस एक व्यक्ति की वजह से कई साल पीछे चला गया है जिसने अकूत संपत्ति अर्जित की और अपने परिवार के लिए साम्राज्य खड़ा किया। तेजस्वी यादव पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप साबित हो चुके हैं, तो उन्हें भ्रष्ट न मानने की क्या ज़रूरत है? उनकी यह टिप्पणी तेजस्वी यादव के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी महागठबंधन मिलकर राज्य की 20 साल पुरानी बेकार डबल इंजन वाली सरकार को उखाड़ फेंकेगा, जहाँ एक इंजन भ्रष्ट है। दूसरा अपराधी है।

बस में लगी आग, 20 लोगों की मौत

» आंध्र प्रदेश में हैदराबाद-बेंगलुरु बस में हुआ हादसा

» पीएम-सीएम ने जताया दुख, मुआवजे की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के पास शुक्रवार सुबह एक निजी ट्रैवल बस में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से 18 यात्रियों की जीवित पहचान हो गई है। पुलिस ने कहा कि कई शव पूरी तरह से जल चुके थे, जिससे पहचान मुश्किल हो रही थी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह घटना सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। बस और दोपहिया वाहन की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग पहले बस के अगले हिस्से में लगी और फिर तेज़ी से फैल गई। आग बढ़ने पर 12 यात्री आपातकालीन निकास द्वार तोड़कर मामूली चोटों के साथ बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जब यह हादसा हुआ, उस समय इलाके में भारी बारिश हो रही थी, जिसके कारण यह टक्कर हुई होगी। आग में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अधिकारी आग लगने के कारणों की जाँच कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में बस में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर शुक्रवार को दुख व्यक्त किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में दुर्घटना के कारण हुई जनहानि से अत्यंत दुःखी हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।''

सिद्धरमैया और शिवकुमार ने बस हादसे में मौतों पर शोक जताया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार तड़के आंध्र प्रदेश में बस में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने एक बयान में कहा, कुरनूल जिले के चिन्नातेकुरु गांव के पास हैदराबाद-बेंगलुरु मार्ग पर एक बस में आग लगने की दुखद घटना से व्यथित और दुखी हूं। इस हृदय विदारक घटना में कई अनमोल जानें चली गईं और कई लोग घायल हुए। उन्होंने कहा, ''जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

बार-बार होने वाली इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक बस में आग लगने के कारण कई लोगों की मौत पर शुक्रवार को दुख जताया और कहा कि बार-बार होने वाली इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हैदराबाद-बेंगलुरु राजमार्ग पर एक बस में आग लगने की दुखद घटना हुई, जिसके कारण कई लोगों की मौत हो गई। यह अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा, मैं इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले सभी यात्रियों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि बार-बार होने वाली इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर में रास चुनाव : नेकां की तीन सीटों पर राह आसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में वीरवार को राज्यसभा की चार सीटों पर मतदान है, लेकिन सियासी घमासान इनमें से चौथी सीट पर ही है। वोटों के गणित के अनुसार अगर क्रॉस वोटिंग नहीं हुई तो तीन सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस की राह आसान दिख रही है।

चौथी सीट पर नेकां और भाजपा दोनों के पास बहुमत का आंकड़ा नहीं है। 28 विधायकों वाली भाजपा को यह सीट जीतने के लिए दो और विधायकों की जरूरत पड़ेगी। इस सीट पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा चुनाव मैदान में हैं। पीडीपी और कांग्रेस के खुलकर नेकां के पक्ष में आने से भाजपा की जीत पूरी तरह से क्रॉस वोटिंग या निर्दलीयों के वोट पर टिकी है।

जज भी गलतियां कर सकते हैं: सुप्रीम कोर्ट

» चंडीगढ़ में मकान कब्जे के मामले में शीर्ष अदालत ने अपनी भूल को किया स्वीकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसले में अपनी भूल को स्वीकार करते हुए कहा कि न्यायाधीश भी गलतियां कर सकते हैं, क्योंकि वे भी मनुष्य हैं। न्यायालयों को गलतियां स्वीकार करने और यदि गलतियां हुई हों, तो उन्हें सुधारने से बिल्कुल भी नहीं कतराना चाहिए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि 'एक्टस क्यूरी नेमिनम ग्रेवबिट', जिसका अर्थ है कि न्यायालय के कार्य से किसी को कोई नुकसान नहीं होगा, भारतीय न्यायशास्त्र में दृढ़ता से अंतर्निहित सिद्धांत है और न्यायालय की ओर से हुई किसी त्रुटि, देरी या असावधानी के कारण किसी भी पक्ष को नुकसान नहीं होना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार किया कि उसकी ओर से एक चूक हुई थी, जिसमें उसने अपने फैसले में यह स्पष्ट नहीं किया था कि चंडीगढ़ में एक इमारत का कब्जा उसके द्वारा दी गई राशि प्राप्त होने पर सौंप दिया जाएगा। अपनी चूक का फायदा उठाते हुए, एक बेईमान वादी ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार 2 करोड़ रुपये का भुगतान किए जाने के बावजूद इमारत का कब्जा सौंपने से इनकार कर दिया। इस मामले में, वादी ने 1989 मेंसंपत्ति खरीदने के लिए सहमति दी थी, 25,000 रुपये की अग्रिम राशि का भुगतान किया था और संपत्ति पर कब्जा कर लिया था। लेकिन जल्द ही मुकदमेबाजी शुरू हो गई और संपत्ति का स्वामित्व उसे हस्तांतरित नहीं किया जा सका। 39 साल बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने 1989 में दी गई 25,000 रुपये की बयाना राशि के बदले उसे 2 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश देकर मुकदमे का अंत किया।

एमपी में 14 बच्चों की गई आंखों की रोशनी

» प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम बिकी कार्बाइड गन, 100 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में ज़हरीली कफ सिरप से हुई जानलेवा मौतों के बाद, दिवाली के बाद स्थानीय स्तर पर बनी कार्बाइड गन के कारण बच्चों की आँखों की गंभीर चोटों में तेज़ी देखी गई है। विपक्ष ने कह ये पूरी तरह से सरकारी लापरवाही का मामला है।

इस घटना के बाद मप्र की मोहन सरकार व भाजपा विपक्ष व कांग्रेस के निशाने पर आ गई है। पिछले तीन दिनों में 150 से ज़्यादा बच्चों को आँखों की गंभीर चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और 14 बच्चों की आँखों की रोशनी जा चुकी है। कई शहरों के अस्पतालों में विस्फोट से जुड़ी आँखों की चोटों के सैकड़ों मामले सामने आए हैं, जिनमें कई छोटे बच्चों को हमेशा के लिए आँखों की रोशनी जाने का खतरा है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज़्यादा प्रभावित क्षेत्र विदिशा ज़िला है, जहाँ 18 अक्टूबर को जारी सरकारी प्रतिबंध के बावजूद स्थानीय बाज़ारों में खुलेआम इन कच्ची कार्बाइड गन की बिक्री हो रही है। 150 से 200 में बिकने वाली ये नकली बंदूकें खिलौनों जैसी दिखती हैं, लेकिन बम की तरह फट सकती हैं, जिससे बच्चों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि दिवाली के दौरान कैल्शियम कार्बाइड गन का इस्तेमाल करने के बाद भोपाल और पड़ोसी विदिशा जिले में 100 से ज़्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं, जिनमें से ज़्यादातर 8 से 14 साल के बच्चे हैं। राज्य की राजधानी के सरकारी अस्पतालों में लगभग 60 बच्चों का इलाज चल रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।